

समय : 3:00 घंटे

पूर्णांक : 100

सूचना : 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1 नाटक का अर्थ स्पष्ट करते हुए उसके तत्व पर प्रकाश डालिए।

20

अथवा

नाटक और एकांकी में साम्य-वैषम्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2 निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

20

क) "उसकी चिन्ता तुम मत करो। विवाह कराने की जिम्मेवारी मेरी। तुम्हें केवल पैसा भर देना है। बाकी सब मैं फिट कर दूँगा।"

अथवा

"तब मैं क्या करूँ?... यदि मैं एक साथ दोनों पत्थर निकाल कर भेद खोलने का प्रयास करती हूँ तो भी काम नहीं बनेगा। कर्ज तो माफ होगा नहीं.... यदि मैं पत्थर निकालती हूँ और वह काला निकलता है तो इस खूसट बुड्ढे के साथ विवाह करके पूरी जिन्दगी नरक भोगना पड़ेगा।"

ख) "जी में आता है, जिस किसी को खाने को कह देते हैं यह नहीं सोचते कि खाना आयेगा कहाँ से? मुझे दर-दर भटकना पड़ता है। बाजार जाऊँ तो मैं! अस्पताल जाऊँ तो मैं! घर को देखूँ तो मैं! और आप हैं कि आराम से लेटे-लेटे जमीन-आसमान के कुलाबे मिलाते रहते हैं!"

अथवा

"कालिदास ने भी कहा है-सभी नया अच्छा नहीं होता और सभी पुराना त्याज्य नहीं होता। विद्वान व्यक्ति तो मूल्यांकन करने के बाद ही स्वीकार या अस्वीकार करता है। मेरा विनम्र निवेदन है कि वे इन अन्वेषणों का भी अध्ययन करके ही अपना निर्णय दें।"

प्रश्न 3. 'काला पत्थर' नाटक ग्रामीण जीवन की सच्चाई का उद्घाटन करता है। स्पष्ट कीजिए।

20

अथवा

'काला पत्थर' नाटक के सरपंच का चरित्र - चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

प्रश्न 4. 'दीपदान' एकांकी की संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

20

अथवा

'नो एडमिशन' एकांकी में शिक्षा के व्यवसायीकरण पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

20

क) 'काला पत्थर' नाटक का संतोषी।

ख) 'काला पत्थर' नाटक का आशया।

ग) 'बहू की विदा' एकांकी में व्यक्त दहेज की समस्या।

घ) 'जान से प्यारे' एकांकी की संवेदना।
